

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा के साथ संपन्न

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गुरु पूजन से हुआ। विद्यार्थियों ने गुरुजनों की तिलक लगाकर उनका सम्मान किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन के प्रथम एवं श्रेष्ठ गुरु हमारे माता-पिता होते हैं, जो हमें संस्कार, मूल्य और जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करते हैं। शिक्षक उन संस्कारों को ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास के माध्यम से पूर्णता प्रदान करते हैं। गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता ही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है।" समस्त

समिति समन्वयक प्रो. विभोर ऐरन ने गुरु-शिष्य परंपरा के आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया। शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. राकेश उपाध्याय ने विद्यार्थियों से गुरु के बताए मार्ग पर चलकर ज्ञान एवं संस्कारों से युक्त जीवन जीने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्रबंधन वर्ग ने सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वन्दना मिश्रा ने किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. कनिका सिसोदिया ने प्रभावी संचालन किया तथा अंत में डॉ. अंशु मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान में श्री वैष्णव कॉलेज के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की सहभागिता

इंदौर, 28 जुलाई। माननीय महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव के आह्वान पर आयोजित "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने कहा कि "यह अभियान प्रकृति एवं मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ युवाओं में पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।" कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. जी. एस.

भाटिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजन में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों एवं महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा। अंत में प्रो. सत्यम पांचाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।



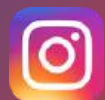
श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, शौर्य एवं राष्ट्रभक्ति का स्मरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध पर आधारित एक प्रेरणादायी लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों ने कारगिल के रणबाँकुरों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को निकटता से अनुभव किया, जिससे वातावरण भावनात्मक एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। इस अवसर पर प्रो. विभोर ऐरन ने कारगिल युद्ध

की पृष्ठभूमि, भारतीय सेना के अद्वितीय पराक्रम तथा 527 वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना के साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने अपने उद्बोधन में कहा कि "कारगिल के वीर सैनिकों का बलिदान केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना ही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।" कार्यक्रम का

प्रभावी संचालन डॉ. गायत्री पलौड़ ने किया तथा डॉ विकास बक्षी ने आभार व्यक्त किया। यह आयोजन एन.एस.एस. एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जी. एस. भाटिया, डॉ. ललित चौहान एवं डॉ. प्रणव श्रोत्रिय रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर नवप्रारंभ हुए शैक्षणिक सत्र के लिए महाविद्यालय के प्रबंधन वर्ग ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

FOR THE OFFICIAL
NEWS OF COLLEGE
FOLLOW



svccac_media



svcc news

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में 60वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया



इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में महाविद्यालय का 60वाँ स्थापना दिवस अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव श्री महेश चिमनानी, कोषाध्यक्ष श्री अधीर अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. पारितोष अवस्थी तथा महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में *सचिव श्री महेश चिमनानी ने कहा, "हम सब इस गौरवशाली विकास यात्रा के साक्षी हैं। हमारी सकारात्मक सोच, सतत परिश्रम और सामूहिक संकल्प ही सपनों को साकार करते हैं।" उन्होंने महाविद्यालय की छह दशक की उपलब्धियों का उल्लेख

करते हुए कहा कि श्री वैष्णव ट्रस्ट के माननीय ट्रस्टियों एवं पदाधिकारियों के दूरदर्शी नेतृत्व तथा सतत मार्गदर्शन ने महाविद्यालय को प्रदेश के अग्रणी शिक्षणसंस्थानों में विशिष्ट पहचान दिलाई है। प्राचार्य डॉ. पारितोष अवस्थी ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए विद्यार्थियों से उत्कृष्टता, अनुशासन एवं संस्कारों के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष श्री अधीर अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। समिति संयोजक डॉ. राकेश उपाध्याय एवं डॉ. मनीष दुबे ने महाविद्यालय की विभिन्न समितियों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा संगीतमय गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गई। साथ ही एक विशेष वीडियो के माध्यम से महाविद्यालय की पिछले

वर्षों की गौरवशाली गतिविधियों एवं स्थापना दिवस समारोहों की अविस्मरणीय झलकियाँ प्रदर्शित की गईं, जिन्हें विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों ने अत्यंत उत्साह के साथ देखा। कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जानकारी दी। विद्यार्थियों एवं उपस्थित सभी सदस्यों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। अंत में 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में केक काटकर महाविद्यालय की निरंतर प्रगति, उत्कृष्ट उपलब्धियों एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ की गईं। कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय संचालन डॉ. वंदना मिश्रा एवं डॉ. कार्तिका मेहता ने किया। प्रो. विभोर ऐरन ने आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम के सफल संचालन डॉ वंदना मिश्रा ने किया तथा प्रो. सत्यम

पांचाल ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव श्री महेश चिमनानी, कोषाध्यक्ष श्री अधीर अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. पारितोष अवस्थी सहित समस्त प्रबंधन वर्ग ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए महाविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न



इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर के आईक्यूएसी एवं एनडीएलआई क्लब (आईआईटी खड़गपुर) के संयुक्त तत्वावधान में 24 जून 2026 को “नवाचार, सतत विकास एवं वैश्विक सहभागिता के माध्यम से भविष्य का निर्माण” विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से किया गया। संगोष्ठी में देश-विदेश के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने स्वागत भाषण कर सभी अतिथियों और प्रतिभागीयों का अभिवादन किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री पुष्पमित्र भार्गव (महापौर इंदौर नगर निगम) थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नवाचार को केवल भविष्य की आवश्यकता के रूप में नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता के रूप में स्वीकार कर उसे व्यवहार में उतारना चाहिए। वर्तमान में किए गए नवाचार ही सशक्त

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राजेश कुमार वर्मा (कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर) ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। उन्होंने “आपदा से अवसर” विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनौतियाँ और संकट नवाचार, अनुसंधान तथा विकास के नए द्वार खोलते हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में शोध संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा वैश्विक समस्याओं के समाधान हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। विशिष्ट वक्ता डॉ. सचिन शर्मा (डीसीडीसी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर) ने समाजसेवा, प्रभावी संवाद एवं मानवीय मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता और नैतिक निर्माण है। संगोष्ठी में अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं के रूप में डॉ. मारिया लैम्प्रोउ, प्रो. क्रिस्टिना मौरिसियो, श्री सजीकोटा प्रदीप तथा डॉ. अनुशका इवानियन ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। उन्होंने सतत विकास, वैश्विक

सहयोग तथा नवाचार-आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर पुरुषोत्तमदास पसारी ने कहा कि सतत एवं समावेशी भविष्य के निर्माण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। उनके उद्बोधन के पश्चात महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर बल दिया। तत्पश्चात श्री अरविंद गुप्ता ने संगोष्ठी की सफलता हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए ऐसे आयोजनों को ज्ञान-विनिमय एवं वैश्विक सहयोग का प्रभावी मंच बताया। कार्यक्रम में शोध विषय का परिचय प्रो. विभोर ऐरन द्वारा प्रस्तुत किया गया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सुहास ढांडे (प्राचार्य, चमेली देवी कॉलेज), डॉ. विमल शर्मा (प्राचार्य, एनी बेसेंट कॉलेज) तथा डॉ. विपुल पटेल (सह-प्राध्यापक, एम.के.एच.एस. गुजराती महाविद्यालय) ने की। तकनीकी सत्रों में नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सतत विकास, वैश्विक

सहयोग, शिक्षा, प्रबंधन तथा सामाजिक विज्ञान से संबंधित विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। विशेषज्ञों द्वारा शोधपत्रों का मूल्यांकन कर उत्कृष्ट प्रस्तुतियों को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुति सम्मान प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन में डॉ. दिनेश दवे ने (ओ एस डी उच्च शिक्षा भोपाल) से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। संगोष्ठी में देश एवं विदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से कुल 192 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया। इनमें 89 प्रतिभागियों ने ऑफलाइन तथा 85 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से शोधपत्र प्रस्तुत किए, जबकि 18 प्रतिभागियों ने सहभागिता श्रेणी में भाग लिया। तकनीकी सहयोग में प्रो. राजेश सेठी, डॉ. राकेश उपाध्याय सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों का सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष दुबे द्वारा किया गया। अंत में श्री महेश चिमनानी ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। महाविद्यालय प्रबंधन एवं आयोजकों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। समापन कार्यक्रम में आभार प्रो. श्रद्धा मान्धन्या द्वारा दिया गया।

ज्ञानोदय-2026 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने उत्साह से की नई यात्रा की शुरुआत



इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं परिचय के लिए आयोजित तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम ‘ज्ञानोदय-2026’ का सफलतापूर्वक समापन हुआ। 20 से 22 अगस्त तक आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. (डॉ.) प्रतीक श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार एवं एडिटर-इन-चीफ, डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बदलते समय में मीडिया, संचार कौशल एवं जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने तथा सीखने की प्रक्रिया से जुड़े

कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. (डॉ.) प्रतीक श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार एवं एडिटर-इन-चीफ, डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बदलते समय में मीडिया, संचार कौशल एवं जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने तथा सीखने की प्रक्रिया से जुड़े

रहने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद श्री देवेन्द्र मुच्छाल ने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराते हुए भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों एवं ज्ञान-विरासत के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने का आह्वान किया। अध्यक्ष श्री अरविंद गुप्ता ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने तथा अपनी प्रतिभा को सकारात्मक दिशा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने भीतर की क्षमताओं को पहचानकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। सचिव श्री महेश चिमनानी ने अनुशासन, समय-प्रबंधन एवं निरंतर सकारात्मक सोच को सफलता का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन जीवन का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि

महाविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और संस्कारों के विकास का मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन के साथ सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न ओरिएंटेशन सत्र, व्यक्तित्व विकास गतिविधियाँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। विशेष आकर्षण ‘म्यूजिवेशन’ रहा, जिसमें RJ नवनीत ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कार्यक्रम को रोचक एवं जीवंत बनाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महाविद्यालय प्रबंधन वर्ग ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का संचालन प्रो. विभोर ऐरन ने किया तथा आभार डॉ. संध्या पुरोहित ने माना।

11वीं सीनियर नेशनल मिनीगोल्फ चैम्पियनशिप में श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स इंदौर ने जीते 6 स्वर्ण व 1 रजत पदक

नवा रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित 11वीं सीनियर नेशनल मिनीगोल्फ चैम्पियनशिप 2025-26 में श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण एवं 1 रजत पदक जीतकर महाविद्यालय एवं मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाया। खेल अधिकारी डॉ. वी. एस. राणा ने बताया कि प्रतियोगिता में सचिन चौधरी ने सिंगल एवं स्ट्रोक टीम इवेंट में दो स्वर्ण

पदक, वंश पटेल ने नाकआउट, टीम एवं डबल्स इवेंट में तीन स्वर्ण पदक, रुद्राक्षी शर्मा एवं पूर्वांशी भाटी ने स्ट्रोक टीम इवेंट में स्वर्ण पदक तथा शिवांगी राठौर ने मिक्स डबल्स इवेंट में स्वर्ण पदक अर्जित किया। वहीं भूमि कश्यप ने सिंगल इवेंट में रजत पदक जीतकर महाविद्यालय का मान बढ़ाया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय

में हर्ष का वातावरण है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि- विद्यार्थियों की यह सफलता उनके सतत अभ्यास, अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महाविद्यालय के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का



नाम रोशन करेंगे। महाविद्यालय के प्रबंधन वर्ग एवं समस्त प्राध्यापकगण ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।